

## गूगल करेगा ऑनलाइन राजनीतिक वजिजापनों को ट्रैक

### चर्चा में क्यों?

गूगल जो डिजिटल वजिजापन बाज़ार के एक बड़े हस्से को नयितरति करता है, जल्द ही नरिवाचन आयोग को ऑनलाइन राजनीतिक वजिजापन पर नज़र रखने में मदद करेगा।

### प्रमुख बडि

- गूगल एक वशाल तकनीकी तंत्र वकिसति करेगा जो न केवल राजनीतिक वजिजापनों के पूरव-प्रमाणीकरण को सुनश्चिति करेगा बल्कि अपने प्लेटफार्मों पर वजिजापनों से संबंघति कयि गए वयय के बारे में वविरण, प्राधकिरण के साथ साझा करेगा।
- हाल ही में गूगल के प्रतनिधिने मीडिया प्लेटफॉर्म के वसितार और वविधिता को ध्यान में रखते हुए धारा 126 और जन प्रतनिधित्व अधनियम, 1951 के अनय प्रावधानों में संभावति संशोधनों का पता लगाने के लयि स्थापति एक समति से मुलाकात की थी।
- गूगल के प्रतनिधिने आयोग को बताया कि कंपनी राजनीतिक वजिजापनों को ट्रैक करेगी और यह सुनश्चिति करेगी कि वे नरिवाचन आयोग के मीडिया प्रमाणन और नगरानी समतियों द्वारा पूरव-प्रमाणति हों।
- उल्लेखनीय है कि नरिवाचन आयोग कसिी वयकर्ता या संगठन द्वारा जारी राजनीतिक प्रकृता के वजिजापनों के पूरव प्रमाणीकरण के लयि नोडल नकियाय है।

### नरिवाचन आयोग

- नरिवाचन आयोग एक स्थायी संवैधानिक नकियाय है।
- संवंधान के अनुसार नरिवाचन आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को की गई थी।
- प्रारंभ में, आयोग में केवल एक मुखय नरिवाचन आयुक्त था। वर्तमान में इसमें एक मुखय नरिवाचन आयुक्त और दो नरिवाचन आयुक्त होते हैं।
- पहली बार दो अतरिकित आयुक्तों की नयिकृता 16 अक्तूबर, 1989 को की गई थी लेकिन उनका कार्यकाल 01 जनवरी, 1990 तक ही चला।
- उसके बाद 01 अक्तूबर, 1993 को दो अतरिकित नरिवाचन आयुक्तों की नयिकृता की गई थी, तब से आयोग की बहु-सदस्यीय अवधारणा प्रचलन में है, जसिमें नरिणय बहुमत के आधार पर लयि जाता है।
- कसिी उम्मीदवार द्वारा वजिजापन संबंघी कोई ऑर्डर दयि जाने पर गूगल को आवश्यक रूप से संभावति ग्राहकों से पूछना होगा, चाहे वे पूरव-प्रमाणति हों।
- इसके अलवा गूगल ने समति को यह भी आश्वासन दयि है कि वह राजनीतिक वजिजापनों की लागत की जानकारी साझा करने के लयि एक तंत्र स्थापति करेगा।
- यह कदम वयकृतिगत रूप से उम्मीदवारों द्वारा कयि गए चुनावी खर्च की गणना में रटिर्नगि अधिकारियों की मदद करेगा।
- इससे पूरव नरिवाचन आयोग की समति ने फेसबुक के साथ बैठकें की थीं, जसिने "आचार संहति" के लागू होने के बाद 48 घंटे की अवध के दौरान नरिवाचन मामलों से संबंघति कसिी भी सामग्री को हटाने के लयि उपकरण वकिसति करने पर भी सहमत वयकृत की थी।
- उल्लेखनीय है कि यह झूठी खबरों की जाँच करने और मतदान से संबंघति वजिजापनों पर वयय का वविरण साझा करने के तरीकों पर काम कर रहा है।
- इसके साथ ही कर्नाटक वधिनसभा चुनावों के दौरान फेसबुक ने भारतीय तथ्य-जाँच एजेंसी, बूम लाइव के साथ करार कयि, जसिने "झूठी खबर" के लगभग 50 से अधिक मामलों की पुष्टि की थी।